



Mr. Divyanshu raj

10 Nov 2025

07:35 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121011706

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 10/11/2025
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 19:35:00 घंटे
इष्ट _____: 34:12:30 घटी
स्थान _____: Katihar
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:33:00 उत्तर
रेखांश _____: 87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 19:55:16 घंटे
वेलान्तर _____: 00:16:08 घंटे
साम्पातिक काल _____: 23:15:12 घंटे
सूर्योदय _____: 05:53:59 घंटे
सूर्यास्त _____: 16:53:18 घंटे
दिनमान _____: 10:59:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 24:12:42 तुला
लग्न के अंश _____: 06:28:52 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: कर्क - चन्द्र
नक्षत्र-चरण _____: पुष्य - 1
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: शुभ
करण _____: वणिज
गण _____: देव
योनि _____: मेष
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक

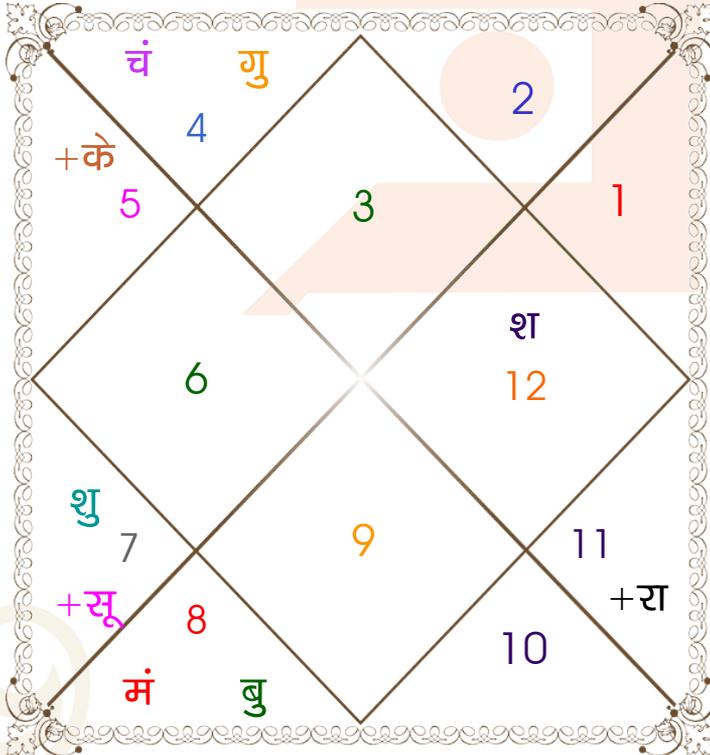
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:28:52	330:03:50	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			तुला	24:12:42	01:00:17	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कर्क	03:47:06	13:50:09	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल	अ		वृश्चि	10:07:42	00:43:20	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध	व		वृश्चि	12:35:44	00:07:12	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु			कर्क	00:55:53	00:00:13	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	10:20:40	01:15:12	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:12:41	00:01:50	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	21:56:53	00:02:44	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:56:53	00:02:44	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:40:49	00:02:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:24:00	00:00:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:19:40	00:00:47	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	23:36:20	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

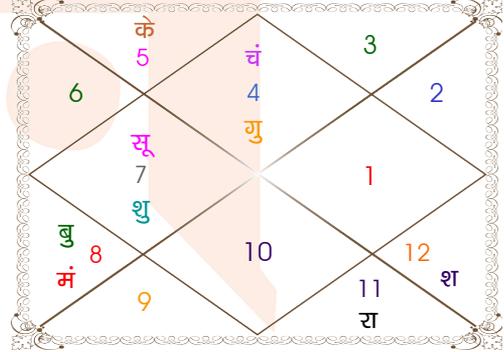
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:09

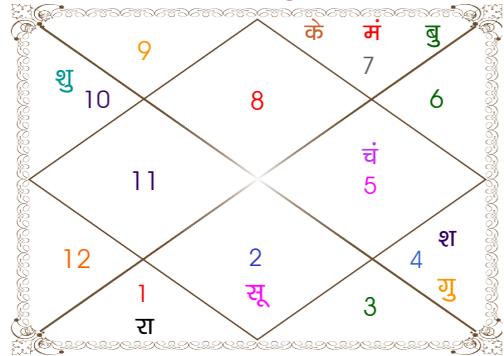
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 4 मास 8 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
10/11/2025	20/03/2044	20/03/2061	20/03/2068	20/03/2088
20/03/2044	20/03/2061	20/03/2068	20/03/2088	20/03/2094
शनि 23/03/2028	बुध 17/08/2046	केतु 16/08/2061	शुक्र 20/07/2071	सूर्य 08/07/2088
बुध 01/12/2030	केतु 14/08/2047	शुक्र 17/10/2062	सूर्य 20/07/2072	चंद्र 06/01/2089
केतु 10/01/2032	शुक्र 14/06/2050	सूर्य 21/02/2063	चंद्र 20/03/2074	मंगल 14/05/2089
शुक्र 12/03/2035	सूर्य 20/04/2051	चंद्र 22/09/2063	मंगल 21/05/2075	राहु 08/04/2090
सूर्य 22/02/2036	चंद्र 19/09/2052	मंगल 19/02/2064	राहु 20/05/2078	गुरु 25/01/2091
चंद्र 22/09/2037	मंगल 16/09/2053	राहु 08/03/2065	गुरु 18/01/2081	शनि 07/01/2092
मंगल 01/11/2038	राहु 04/04/2056	गुरु 12/02/2066	शनि 20/03/2084	बुध 12/11/2092
राहु 07/09/2041	गुरु 11/07/2058	शनि 24/03/2067	बुध 19/01/2087	केतु 20/03/2093
गुरु 20/03/2044	शनि 20/03/2061	बुध 20/03/2068	केतु 20/03/2088	शुक्र 20/03/2094

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
20/03/2094	21/03/2104	22/03/2111	21/03/2129	21/03/2145
21/03/2104	22/03/2111	21/03/2129	21/03/2145	00/00/0000
चंद्र 19/01/2095	मंगल 17/08/2104	राहु 02/12/2113	गुरु 09/05/2131	शनि 11/11/2145
मंगल 20/08/2095	राहु 05/09/2105	गुरु 27/04/2116	शनि 20/11/2133	00/00/0000
राहु 18/02/2097	गुरु 12/08/2106	शनि 03/03/2119	बुध 26/02/2136	00/00/0000
गुरु 20/06/2098	शनि 20/09/2107	बुध 20/09/2121	केतु 01/02/2137	00/00/0000
शनि 19/01/2100	बुध 17/09/2108	केतु 08/10/2122	शुक्र 03/10/2139	00/00/0000
बुध 21/06/2101	केतु 13/02/2109	शुक्र 08/10/2125	सूर्य 21/07/2140	00/00/0000
केतु 20/01/2102	शुक्र 15/04/2110	सूर्य 02/09/2126	चंद्र 20/11/2141	00/00/0000
शुक्र 20/09/2103	सूर्य 21/08/2110	चंद्र 03/03/2128	मंगल 27/10/2142	00/00/0000
सूर्य 21/03/2104	चंद्र 22/03/2111	मंगल 21/03/2129	राहु 21/03/2145	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 4 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात् शरीर से दुबले लंबे एवं आर्य आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रुख रखते हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रुख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दो कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नहीं रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नहीं कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्ति का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नहीं पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नहीं होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नहीं मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकर्ते, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुएँजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नहीं हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।